



1(अ))

(1) (1) (i) शारीरिक श्रम

(ii) बौद्धिक श्रम

(iii) अधिक संपत्ति

(iv) श्रम करने की

(2) (i) (1) दान यज्ञ

(2) भूदान यज्ञ

(ii) (1) अस्पताल

(2) विद्यालय

(3) (i) उपसर्गयुक्त शब्द

शब्द

प्रत्यययुक्त शब्द

परिश्रम / आश्रम (कोई एक)

← श्रम →

श्रमिक

(ii) शब्दयुग्म: साधन-सामग्री

वाक्य: रसोइए ने स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए आवश्यक साधन-सामग्री इकट्ठी कर ली।

शब्दयुग्म: किसी-न-किसी

वाक्य: यात्रा के दौरान किसी-न-किसी तरह की परेशानी तो हो ही जाती है। (कोई एक)

(4) दान पुण्य का कार्य है, जो हमें आत्मिक समाधान देता है। दान करने से समाज में समाधान मिलता है। यह सामाजिक संतुलन को बढ़ावा देता है और समस्याओं का समाधान सहयोग से होता है। दान से जरूरतमंदों की मदद होती है और समाज में समानता स्थापित होती है। दान करने से हमारा धन बढ़ता है और हमें मानसिक शांति मिलती है।

(आ))

(1) (1) (i) बहुत अधिक लोग मिलने आते हैं और परेशान करते हैं।

(ii) उसे दूसरी टाँग भी टूट जाती है।

(2) (i) लेखक

(ii) बहुत अधिक मिलने वाले लोग

(iii) जनरल वार्ड में

(iv) दर्द और मिलने वालों के कारण

(3) (i) परेशान - तकलीफ, समय - वक्त, अधिक - बहुत (कोई एक)

(ii) (1) एहसान

(2) बदला

(4) आलस करना या भारी आराम करना हमारे लिए नुकसानदेह हो सकता है। परीक्षा का समय हो, तो डटकर पढ़ाई करनी चाहिए। किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता हो, तो उसकी तैयारी करनी चाहिए। सोचो यदि हम आराम करने के बजाय परीक्षा की तैयारी करने के लिए तैयार हैं, तो परीक्षा में भी शामिल हो सकते हैं। हम छोटी सी जीव चींटी से भी मेहनत की सीख ले सकते हैं। वह दिन-रात मेहनत कर अपना भोजन एकत्र करती है और सोने के समय आराम से अपनी मेहनत का लाभ उठाती है।

(इ))

(1) (1) (i) ढाका कॉलेज से परीक्षा में

द्वितीय स्थान पाने वाले

तृतीय स्थान पाने वाले

मेघनाथ साहा

निखिल रंजन सेन

(ii) गद्यांश में उल्लेखित

दल

सदस्य

सबूज पत्र

प्रमथा चौधरी

(2) ज्ञान बांटने से ज्ञान बढ़ता है, यह एक सत्य है। जब हम अपना ज्ञान दूसरों के साथ साझा करते हैं, तो हमारा ज्ञान भी विस्तारित होता है और हमें भी नए विचारों का परिचय होता है। साथ ही, दूसरों के सवालों से हमें नई दृष्टि मिलती है, जो ज्ञान को और भी व्यापक बनाती है। इसके अलावा, ज्ञान बांटने से समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। शिक्षा और जागरूकता बढ़ती है, जिससे लोगों का जीवन स्तर सुधरता है।

2(अ)

- (1) (1) वचन में - सत्य
संचय में - दान
भुजा में - शक्ति
प्रतिज्ञा में - टेव

(2) (i) संपन्न x विपन्न

(ii) (i) भारत - एकवचन

(ii) भुजाएँ - बहुवचन

(3) कवि कहता है की समय धीरे-धीरे भले ही बदल गया हो, लेकिन आज भी हमारा देश वैसा ही है। हम भारतवासियों में उसी रक्त का संचार हो रहा है, जिसमें साहस व ज्ञान भरा हुआ है। हम शक्ति व शांति के प्रतिक है। हमारे भीतर के सभी गुण है, क्योंकि हम उन्ही को संताने है। हम अपना जीवन भारतवर्ष को समर्पित कर प्रसन्न व गौरवान्वित है। हम अपने प्यारे देश पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए सदैव तत्पर है।

(आ)

(1) (1) (i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(2) (i) (1) दुष्ट - खल

(2) विद्वान - बुध

(ii) (1) बूँद → स्त्रीलिंग

(2) गिरि → पुल्लिंग

(3) घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा ॥

दामिनि दमक रहहिं घन माहीं । खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं ॥

रावण द्वारा सीता जी के हरण के बाद भगवान श्रीराम व सुग्रीव में मित्रता होती है और मित्रता के कारण सुग्रीव अपनी सेना के सहारे सीता जी का पता लगाने का प्रयास करते है। इसी बीच वर्षा ऋतु आती है। गोस्वामी तुलसीदास जी बताते हैं कि प्रभु श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण से कह रहे हैं, हे भाई, लक्ष्मण ! आकाश में बादल घमंड से घुमड़-घुमड़कर घोर गर्जना कर रहे हैं। ऐसे में प्रिया अर्थात सीता के बिना मेरा मन डर रहा है। बिजली रह-रहकर बादलों के बिच दमक रही है। उसकी चमक में उसी तरह ठहराव नहीं है, जिस तरह दुष्ट व्यक्ति की प्रीति में स्थिरता नहीं होती है।

3(अ)

(1) (1) (i) हरे-भरे पहाड़

(ii) पहाड़ों की नीरवता

(iii) झरने

(iv) प्राकृतिक सौंदर्य

(2) प्रकृति का सौंदर्य, शांत वातावरण और हरी-भरी वनस्पतियों मन को आनंदित करता है। प्रकृति के बीच रहने से तनाव कम होता है और मन में खुशी और सुकून की अनुभूति होती है। प्रकृति हमें जीवन जीने का सही तरीका सिखाती है और हमें जीवन के प्रति कृतज्ञ बनाती है।

(आ)

(1) (i) - प्रेरणा, (ii) - कुंठा, (iii) - जल, (iv) - मन

(2) गुलाब का फूल काँटों के बीच भी हँसता है, खिलखिलाता है। वह हमें हर पल प्रेरणा देता है कि हमें परेशानियों से घबराए बिना अपना काम करते जाना है। फूल काँटों को चीरकर खिलता है, उसी तरह हमें कठिनाइयों में भी आशा और उत्साह बना रहना महत्वपूर्ण है। जीवन में चुनौतियों के बीच भी हमें प्रेरणा मिलती है।

4)

(1))

(1) तुम - सर्वनाम

(2))

(1) धीरे-धीरे हम भी सब भूल गए।

(2) मै दुकान गया था लेकिन दुकान बंद था।

(3))

(1)	शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
	महाआत्मा	महा + आत्मा	दीर्घ संधि

(2)	शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
	दुस्साहस	दु : + साहस	विसर्ग संधि

(4))

(1) दिया - देना

(2) गए - जाना

(5))

(1) प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया - मिलाना

द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया - मिलवाना

(2) प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया - चलाना

द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया - चलवाना

(6))

(1) टाँग अड़ाना - बाधा डालना

वाक्य - दूसरों के कामों में टाँग अड़ाना अच्छी बात नहीं है।

(2) गला फाड़ना - शोर करना, चिल्लाना।

वाक्य - माँ को आस पास न देखते हुए बच्चा गला फाड़ने लगा।

(1) रोते हुए बच्चे को गोद में उठाकर माँ हाथ फेरने लगी।

(7))

(1) के लिए - संप्रदान कारक

(2) मकान पर - अधिकरण कारक

(8))

(1) हाँ, मेरे पास बहुत से पत्र आते हैं।

(9))

(1) वे पुस्तक शांति से पढ़ चुके हैं।

(2) दोनों ही देर तक फूट-फूटकर रोते रहे थे।

(3) मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाऊँगा।

10(i))

(1) परिचय के बिना किसी भी व्यक्ति को दाखिल नहीं करना चाहिए।

(ii))

(1) क्या थोड़ी बातें हुईं?

11)

(1) करामत अली की आँखों में आँसू उतर आए।

(2) ठीक उसी समय रूपा की आँखें खुली।

(3) घर में तख्ते के रखे जाने की आवाज आती है।

5)

(अ)(1))

(1) दिनांक: ९ मार्च, २०२४

प्रति,

माननीय व्यवस्थापक जी,

मीरा स्पोर्ट्स,

आझाद चौक,

सातारा

विषय: क्रिकेट खेल सामग्री की माँग करने हेतु।

माननीय महोदय,

सादर नमस्ते। मैं अनिकेत सोनवणे गांधी मार्ग, सांगली से लिख रहा हूँ। मैं आपको इस पत्र के माध्यम से क्रिकेट खेल सामग्री की माँग करना चाहता हूँ। हमारे क्लब ने आगामी टूर्नामेंट के लिए सामग्री की आवश्यकता महसूस की है और मीरा स्पोर्ट्स की उत्कृष्ट गुणवत्ता और विश्वसनीयता के कारण हमें आप पर पूर्ण भरोसा है।

आपसे अनुरोध है कि आप हमें निम्नलिखित सामग्री भेजें:

1. क्रिकेट बल्ले (10)
2. क्रिकेट गेंदें (12)
3. क्रिकेट पैड (10 जोड़े)
4. क्रिकेट दस्ताने (10 जोड़े)
5. हेलमेट (10)

इस पत्र के साथ १००० रुपए अग्रिम राशि के तौर पर भेज रहा हूँ। यह सामग्री बिना किसी देरी के पहुँचाने का कष्ट करें। आपकी इस सहायता के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद!
भवदीय,
अनिकेत सोनवणे,
गांधी मार्ग,
सांगली

(1) नंदनवन' कालोनी,
नांदेड
दिनांक: ९ मार्च, २०२४

प्रिय छोटे भाई सुयश,

प्रणाम। आशा है तुम ठीक होगे। मैं यहाँ मातोश्री छात्रालय, चिचेवड में सब कुछ अच्छा कर रहा हूँ। मैंने तुम्हारी पढ़ाई और संघर्ष के बारे में बहुत सुना है और मुझे गर्व है कि तू अपनी पढ़ाई में प्रगति कर रहा है।

तुम्हें पता ही होगा कि मुझे योग करना कितना पसंद है और इसलिए मैं तुझे योग के महत्त्व के बारे में कुछ बताना चाहता हूँ। योग एक प्राचीन भारतीय विद्या है जो शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ रखने में मदद करती है।

योगासन करने से शरीर मजबूत और लचीला बनता है। योगासन से रक्त संचार भी बेहतर होता है और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। योगासन करने से तनाव, चिंता और अवसाद दूर होता है। योगासन मन को शांत और एकाग्र बनाने में भी मदद करते हैं।

योग सभी उम्र के लोगों के लिए लाभदायक है। बच्चे, युवा, वृद्ध सभी योग कर सकते हैं। योग करने के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती है। योग को घर पर भी आसानी से किया जा सकता है। मैं आशा करता हूँ कि तू इसे ध्यान में रखेगा। योग का अभ्यास करने से तुम अपने जीवन को सफल बना सकते हो।

तुम्हारा भाई,
राजेश शर्मा,
मातोश्री छात्रालय
चिचेवड

2)

- (1) मनुष्य के जीवन में वाणी का क्या महत्व है?
(2) मनुष्य के जीवन का समाधान कैसे प्राप्त किया जा सकता है?
(3) दर्शनशास्त्र में वाणी की क्या भूमिका है?
(4) पतंजलि ने चित्तशुद्धि, शरीरशुद्धि और वाक्शुद्धि के लिए क्या लिखा?
(5) वाणी की महत्वता क्या है?
(6) मनुष्य के जीवन का समाधान किस पर निर्भर है?
(7) पतंजलि ने कौन-कौन से ग्रंथ लिखे और उनका क्या महत्व है?
(8) वाणी और चिंतन के बीच कैसा संबंध है? (कोई चार)

(आ)(1)

(1) 15 अगस्त 2023 को गुरुकृपा विद्यालय, बीड में हर्षोल्लास के साथ 77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने ध्वजारोहण किया। तिरंगे को सलामी दी गई और राष्ट्रगान गाया गया।

इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहाँ विद्यालय के छात्र-छात्राएं नाटक, गाने और कविता पाठ के

माध्यम से देश की आजादी की महत्वपूर्ण घटनाओं को याद किया। प्रमुख अतिथियों और विद्यालय प्रबंधन के नेतृत्व में, छात्रों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में गीत गाया और तिरंगे का अभिषेक किया। समारोह के अंत में, विद्यालय के प्रधानाचार्य ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करते हुए भाषण दिया। कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण के साथ हुआ।

(1) एकता में शक्ति होती है

एक शीतपुर नामक गाँव में रीना और रिया नाम की दो होशियार लड़कियाँ रहती थीं। गाँव के सभी लोग हमेशा अपने-अपने काम में व्यस्त रहते थे। गाँव में पानी का अभाव था। लड़कियाँ घर के कामों में भी सहायता करती थीं। दूर से पानी लाने में उन्हें बहुत समय लगता था, जिसके कारण पढ़ाई के लिए कम समय मिलता था। रोज-रोज उतनी दूर से पानी भरकर लाने से वे इतने थक जाते थे कि उनके लिए कोई अन्य काम करना मुश्किल हो जाता था।

एक दिन रीना और रिया ने पानी की समस्या पर चर्चा की। उन्होंने समस्या का समाधान खोजने का निश्चय किया। बरसात का मौसम आने वाला है। यदि हम उससे पहले मिलकर तालाब की सफाई कर लेते हैं, तो बरसात का पानी स्वच्छ तालाब में एकत्रित हो जाएगा, उस पानी का उपयोग हम पीने के लिए कर सकते हैं। रीना ने बारिश का पानी इकट्ठा करने का विचार रखा। रिया ने गाँव वालों से सहायता मांगने का सुझाव दिया।

गाँव वालों ने रीना और रिया की मदद की। उन्होंने एक बड़ा तालाब खुदवाया। कुछ दिनों बाद बरसात का मौसम आया और झमाझम बरसात हुई। गाँव का तालाब स्वच्छ पानी से लबालब भरकर बहने लगा, जिसकी वजह से गाँव में पानी की समस्या का निदान हुआ। रीना, रिया और गाँव वालों की एकता के कारण ही उन्हें इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा मिल गया था।

सीख: एकता में बल होता है।

(2)

(1)

क्रीड़ा शिविर

आइए, क्रीड़ा शिविर में भाग लें और खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाएँ!

स्थान: जिला स्पोर्ट्स मैदान, गाँव रामपुर

तिथि: 15 मार्च, 2024

समय: सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक

उद्घाटक: विधायक श्री राजेश यादव तज्ञ

मार्गदर्शक: पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी श्री अनिल शर्मा

विशेषताएँ: प्रतियोगिताओं का आयोजन और पुरस्कार, विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण, अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन, आधुनिक सुविधाएँ, स्वस्थ भोजन प्रवेश शुल्क:

निःशुल्क संपर्क: jsm@gmail.com, रामपुर क्रीड़ा संघ

(इ)

(1)

एक किसान की आत्मकथा

भारत गाँवों का देश है और मैं उन्हीं गाँवों में रहता हूँ। लोग मुझे अन्नदाता, किसान, भूमिपुत्र जैसे कई नामों से जानते हैं और मेरा सम्मान करते हैं। सारे देशवासी मेरे द्वारा उगाया गया अन्न ग्रहण करके ही अपना और अपने परिवार का पेट भरते हैं। हमारा पूरा जीवन धरती माँ की सेवा में गुजर जाता है। हमारा इतिहास बहुत पुराना है। सभ्यता के विकास से लेकर आज इक्कीसवीं सदी तक मैं अपने पुराने व्यवसाय से ही जुड़ा हुआ हूँ। मेरा नाम गोपाल है। रामपुर नाम के एक छोटे से गाँव में रहने वाला किसान।

मेरी जीवन कथा सीमित स्थानों और संसाधनों के बीच घूमती है, लेकिन इसकी महत्वपूर्णता कोई नहीं कम कर सकता। मेरे जीवन के सभी संघर्षों और सफलताओं के बावजूद, मैं एक संतुष्ट और गर्वमय किसान बना हूँ। मेरा जीवन बड़े परिवार में बिता, जहाँ खेती हमारे जीवन का मुख्य आधार थी। मेरे पिताजी और दादाजी ने मुझे खेती के महत्व को सिखाया और मेरे अंदर उत्प्रेरणा की भावना जगाई। मैंने अपनी शिक्षा गाँव के स्कूल में पूरी की, लेकिन शिक्षा के बाद भी मेरे दिल में सिर्फ खेती की ख्वाहिश ही थी। जब मैंने खेती का काम शुरू किया, तो मुझे पता चला कि यह काम आसान नहीं है। धूप, मिट्टी, और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन मैंने कोई समय नहीं खोया और जीवन की मुश्किल समयों में अपने आप को मजबूत बनाया। मेरी लगन और मेहनत ने मुझे सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने की सामर्थ्य दी।

मेरे जीवन में कई व्यापारिक और वित्तीय संकट आए, जब मैं नुकसान का सामना करना पड़ा। परंतु ये संकट मेरी हिम्मत नहीं हार सके। मैंने नए तकनीकों का इस्तेमाल किया, बाजार की ताकत को समझा और अपनी फसल की कीमतों को नियंत्रित किया। धीरे-धीरे मैं अपनी जमीन की खेती में विदेशी तकनीकों का प्रयोग करने लगा और अधिक उत्पादन की संभावनाएँ प्राप्त की। मेरे साथी किसानों के साथ मैंने सहयोग और ज्ञान साझा किया। हम साथ मिलकर नए फसलों की खेती की, सबसे अच्छे तारिकों को सीखा और अनुभव साझा

किया। हम एक-दूसरे के सामर्थ्य को पहचानते और अपनी खेती में सुधार करने के लिए मिलकर काम करते रहे। इस सहयोग ने हमें वृद्धि की एक नई गति दी और हमारी आर्थिक स्थिति को सुधारा।

खेती मेरे लिए एक अद्वितीय अनुभव है। जब मैं अपनी मेहनत के फल को अपनी आँखों से देखता हूँ, तो उस खुशी की कोई सीमा नहीं होती। प्रकृति के साथ मेरी एकता, मिट्टी के संग मेरी जीवन की एकता है। यह मुझे स्वाभाविक सुंदरता और अधिक मूल्यवान जीवन का आनंद देता है। खेती में कार्य करके मुझे अपने देश के किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका का भी आदर्श बनाने का अवसर मिला है। मैं अपने गाँव के बच्चों को प्रेरित करता हूँ कि वे भी खेती में अपना भविष्य बनाएँ।

(2) यदि पुस्तकें न होत

यदि पुस्तकें न होतीं, तो हमारा ज्ञान और मनोरंजन का साधन बहुत सीमित होता। हम कल्पनाओं की दुनिया में नहीं जा पाते, न ही इतिहास और विज्ञान के रहस्यों को जान पाते। पुस्तकें हमें विभिन्न संस्कृतियों और विचारों से परिचित कराती हैं, और हमें जीवन जीने के तरीके सिखाती हैं।

पुस्तकें हमें विशेष ज्ञान, सोचने की क्षमता, और रचनात्मकता प्रदान करती हैं। उनके बिना, हमारी सोचने की क्षमता प्रतिबंधित हो जाती है और हम अपने आत्मविश्वास को खो देते हैं। पुस्तकों के बिना, हम शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करने में बहुत पीछे रह जाते। वैज्ञानिकों, कलाकारों, और विचारकों की खोजें और रचनाएं हमारे लिए उपलब्ध नहीं होतीं। हम अपनी कल्पनाओं और विचारों को विकसित नहीं कर पाते, और दुनिया को समझने में असमर्थ रह जाते।

पुस्तकें मनोरंजन का एक महत्वपूर्ण साधन भी हैं। वे हमें कहानियों, कविताओं, और नाटकों के माध्यम से रोमांच, भावनाओं, और हास्य का अनुभव कराती हैं। पुस्तकों के बिना, हमारा जीवन नीरस और उबाऊ हो जाता।

पुस्तकें हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे हमें ज्ञान, शिक्षा, मनोरंजन और प्रेरणा प्रदान करती हैं। पुस्तकों के माध्यम से हम अनगिनत विचारों और ज्ञान को प्राप्त करते हैं जो हमें समृद्धि और समृद्धि की ओर ले जाते हैं। यदि पुस्तकें न होतीं, तो हमारा जीवन बहुत ही अलग होता।

(3) हमारी सैर

हमारी सैर करना हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें नए स्थानों के परिचय, विभिन्न संस्कृतियों का अनुभव, और प्राकृतिक सौंदर्य से रूचि रखने का अवसर प्रदान करता है। सुबह की ठंडी हवा, पक्षियों का मधुर चहचहाहट, और खुले आसमान का मनमोहक दृश्य - ये सब अनुभव कराती है हमारी सैर।

सुबह-सुबह, जब सूरज की किरणें धरती को छूने लगती हैं, तब हम निकल पड़ते हैं सैर के लिए। रास्ते में, हम हरे-भरे पेड़ों, खिलते हुए फूलों, और ताजी हवा का आनंद लेते हैं। सैर करने से हमारा मन ताजगी और ऊर्जा से भर जाता है। सैर करते हुए, हम विभिन्न लोगों से मिलते हैं और उनसे बातचीत करते हैं। यह हमें विभिन्न विचारों और संस्कृतियों से परिचित कराता है। सैर करना हमें नई दृष्टिकोण प्राप्त करने, समाज से जुड़ने, और अपने जीवन में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

इसके अलावा, सैर करने से हम अपने स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित रख सकते हैं। यह हमारे शरीर को व्यायाम देता है और ताजी हवा से हमारे फेफड़े स्वच्छ होते हैं। सैर एक ऐसा अनुभव है जो हमें जीवन का आनंद लेने के लिए प्रेरित करता है। सैर एक स्वस्थ और सुखद गतिविधि है जो हमें प्रकृति से जोड़ती है और हमारे स्वास्थ्य और मनोदशा को बेहतर बनाती है।

All the Best